240 (16)

डी०एम०डब्ल्यू०/पटियाला।

सं०: डी०एम०डब्ल्यू०/पी/स्था०- I/पाठ्यक्रम/ड्राईवर- ।।। दिनांक: 19.07.2016

ड्राईवर ग्रेड-III का पाठ्यक्रम

1. सड़क संकेतों का/नियमों का अच्छी तरह से ज्ञान होना चाहिए।
2. गाड़ी के विभिन्न पुर्जो, जो सुरक्षा की दृष्टि से अत्यन्त महत्वपूर्ण हैं जैसे कि ब्रेक्स, स्टीयरिंग, गियर और कंट्रोल इत्यादि अच्छी हालत में हैं अथवा नहीं, को चेक कर सके।
3. उसे निर्धारित गति सीमा का ज्ञान होना चाहिए व उसे गति सीमा पार नहीं करनी चाहिए। ड्राईवर को स्पीडोमीटर खराब होने की दशा में स्पीड का अनुमान लगाने का ज्ञान होना चाहिए।
4. उसे टेढ़े-मेढ़े व ऊँचे-नीचे रास्तों पर गाड़ी को उचित ढंग से चलाने का अच्छा ज्ञान होना चाहिए।
5. गाड़ी के सभी चलायमान पुर्जो, जिनका स्वयं लुब्रीकेसन नहीं होता है, को लुब्रीकेट करने का ज्ञान होना चाहिए।
6. उसे भार जो उसने गाड़ी पर लेकर जाना है उसकी मात्रा का अनुमान लगाने की ज्ञान होना चाहिए।
7. उसे एम्पीयर मीटर, टेम्प्रेचर मीटर व बैटरी की चार्जिंग मीटर इत्यादि को पढ़ने का ज्ञान होना चाहिए। उसे बैटरी की डेली मैन्टीनेन्स जैसे टर्मिनल की सफाई, इलेक्ट्रोलाईट के लेबल को चैक करने का ज्ञान होना चाहिए।
8. उसमें इंजन को चालू करने, बन्द करने व गाड़ी को चलाने की दक्षता होनी चाहिए।
9. उस गाड़ी चलानी आना चाहिए व उसके पास भारी गाड़ी को चलाने का अधिकृत लाईसेंस होना चाहिए।
10. उसे अपनी गाड़ी की रनिंग मैन्टीनेंस जैसे कि आयलिंग, ग्रीसिंग, ब्रेक एडजस्ट करना व इमेनी ान व आयल लेवल ठीक करने का ज्ञान होना चाहिए। ड्राईवर को टायर बदलने का ज्ञान होना चाहिए।
11. उसे विभिन्न प्रकार की गाड़ियों (जीप, कार, फोकलिफट, ट्रक इत्यादि) के इंजन व बाडी के हिस्सों/पुर्जो का नाम व कार्य का ज्ञान होना चाहिए। पेट्रोल तथा डीजल इंजन की कार्य प्रणाली का भी ज्ञान होना चाहिए।
12. आई.एस.ओ. **9000, 9001, 14000** तथा आई.एस.**18000** - कार्यस्थल पर पर सुरक्षा, फस्ट-एड और इन्सेंटिव योजना का ज्ञान होना चाहिए।
13. भारतीय संविधान में राजभाषा के महत्व का ज्ञान व भारत सरकार द्वारा राजभाषा के उत्थान के लिए किए गये उपयों की जानकारी होनी चाहिए।
14. राजभाषा का पाठ्यक्रम:
    - भाषाई आधार पर भारत को कितने क्षेत्रों में बॉटा गया है।
    - संघ सरकार की राजभाषा नीति क्या है।
    - केन्द्रीय सरकार के कार्यालयों में राजभाषा के प्रयोग-प्रसार को बढ़ाने के लिये कौन-कौन से पुरस्कार प्रोत्साहन दिये जाते हैं।
    - डी०एम०डब्ल्यू० में राजभाषा का प्रयोग बढ़ाने के लिए कौन-कौन सी प्रोत्साहन पुरस्कार योजनाएं लागू की गई हैं।
15. आपात कालीन टेलीफोन नम्बरों की जानकारी होनी चाहिए। विभिन्न प्रकार की आपात कालीन परिस्थितियों से निपटने की जानकारी होनी चाहिए।
16. ड्राईवर को टायर में हवा का प्रेशर हाईड्रालिक ऑयल का लेवल, रेडियेटर में पानी के लेवल को चैक करने, डैश बोर्ड पर सभी मीटरों एवं गेजों का ज्ञान होना चाहिए।
17. ड्राईवर को फोर्क लिफ्ट चलाते समय लोड उठाकर चढ़ाई पर चढ़ने व उतरने का ज्ञान होना चाहिए।
18. ड्राईवर को हार्न व डिपर के परिस्थिति के अनुसार इस्तेमाल करने का ज्ञान होना चाहिए।

19. ड्राईवर को प्राकृतिक आपदा, मानवीय भूल या तकनीकी खराबी के कारण उत्पन्न हुई परिस्थिति जैसे ब्रेक फेल होना, टायर फटना, अचानक सामने तेजी से किसी वाहन का आ जाना, इत्यादि से निपटने हेतु आवश्यक ज्ञान होना चाहिए।

उपरोक्त पाठ्यक्रम को दिशानिर्देश के तौर पर ही माना जाए। कोई अन्य विषय जो ट्रेड टेस्टिंग प्राधिकारी उचित और तर्क संगत समझेगा वह भी ट्रेड टेस्ट में शामिल किये जा सकते हैं।

वरिष्ठ कार्मिक अधिकारी
कृते मुख्य प्रशासनकि अधिकारी/पी.
डी०एम०डब्ल्यू०/पटियाला।

प्रतिलिपि:-

1. उप मुख्य यॉत्रिक अभियंता/पी
2. सभी नोटिस बोर्ड
3. सभी एस.एस.ई.